भारत सरकार

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 4484

28 मार्च, 2023 को उत्तरार्थ

विषय: किसान समृद्धि केन्द्र

4484. श्रीमती रक्षा निखिल खाडसे:

श्री मनोज कोटक:

क्या कृषि और किसान कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने कृषि का आधुनिकीकरण करने के लिए किसानों के सहायता केंद्र के रूप में किसान समृद्धि केंद्र (केएसके) का प्रस्ताव किया है और इन्हें गठित किया है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और खोले गए/अधिकृत किसान समृद्धि केंद्रों की राज्य-वार सूची क्या है;

(ग) क्या सरकार का आधुनिक तकनीकों के तहत खेती के विकास में केएसके के माध्यम से कृषि क्षेत्र में स्टार्ट-अप को बढ़ावा देने का प्रस्ताव है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री (श्री नरेन्द्र सिंह तोमर)

(क): भारत सरकार ने दिनांक 24 अगस्त, 2022 की अधिसूचना के माध्यम से मौजूदा गांव, ब्लॉक/उप-जिला/तालुक और जिला स्तरीय उर्वरक खुदरा दुकानों को मॉडल फर्टिलाइजर मार्केट नामत: प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केंद्र (पीएमकेएसके**)** में बदलने का निर्णय लिया है। किसानों के लिए ये पीएमकेएसके बीज, उर्वरक, कीटनाशकों, आदि जैसे कई उत्पादों के लिए वन-स्टॉप-शॉप के रूप में कार्य करते हैं तथा कृषि क्षेत्र से संबंधित उर्वरक/बीज/मृदा परीक्षण, ड्रोन तथा अन्य फॉर्म उपकरणों जैसी कई सेवाओं को एक ही छत के नीचे उपलब्ध कराते हैं।

(ख): आई-एफएमएस के अनुसार, 17747 जिला स्तरीय उर्वरक दुकानों को पीएमकेएसके में परिवर्तित (अथवा प्रक्रियाधीन) किया गया है, जिनका ब्यौरा **अनुबंध-I** में दिया गया है।

(ग) एवं (घ): कृषि क्षेत्र में केएसके के माध्यम से स्टार्ट-अप्स को बढ़ावा देने का कोई प्रस्ताव नहीं है। तथापि, राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (आरकेवीवाई) के अंतर्गत वर्ष 2018-19 से "नवाचार और कृषि-उद्यमिता विकास" नामक कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य वित्तीय

सहायता और इन्क्यूबेशन पारिस्थितिकी तंत्र का पोषण करके नवाचार और कृषि उद्यमियता को बढ़ावा देना है। कृषि और संबद्ध क्षेत्रों से संबंधित स्टार्ट-अप्स को प्रोत्साहित किया जा रहा है ताकि वे किसानों और युवाओं के लिए रोजगार का अवसर प्रदान करें जिससे उनकी आय बढ़ने में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से योगदान मिल सके। इस संबंध में, देश-भर के विभिन्न राज्यों में इस कार्यक्रम के सुचारू और कारगर निष्पादन के लिए इस विभाग द्वारा पांच (5) नॉलेज पार्टनर (केपी) और चौबीस (24) कृषि व्यवसाय इन्क्यूबेटर (आर-एबीआई) नियुक्त किए गए हैं जिनका ब्यौरा **(अनुबंध-II)** में दिया गया है।

कार्यक्रम के अंतर्गत स्टार्ट-अप कृषि और संबद्ध क्षेत्रों के विभिन्न क्षेत्रों में परियोजनाएं शुरू कर रहे हैं।

लो.स.अता.प्र.सं.4484

अनुबंध-I

क्र.सं.	राज्य का नाम	पीएमकेएसके स्थापना की संख्या
1	आंध्र प्रदेश	284
2	अरुणाचल प्रदेश	3
3	असम	213
4	बिहार	1394
5	छत्तीसगढ़	247
6	दादरा और नगर हवेली	1
7	दिल्ली	40
8	गोवा	2
9	गुजरात	902
10	हरियाणा	1651
11	हिमाचल प्रदेश	17
12	जम्मू और कश्मीर	165
13	झारखंड	350
14	कर्नाटक	646
15	केरल	132
16	मध्य प्रदेश	1722
17	महाराष्ट्र	1559
18	मणिपुर	15
19	मिजोरम	12
20	नागालैंड	2
21	ओडिशा	318
22	पुदुचेरी	7
23	पंजाब	1120
24	राजस्थान	2015
25	तमिलनाडु	1023
26	तेलंगाना	522
27	त्रिपुरा	39
28	उत्तराखंड	36
29	उत्तर प्रदेश	3037
30	पश्चिम बंगाल	273
	योग	**17747**
# डेटा का स्रोत - आईएफएमएस डैशबोर्ड		

अनुबंध-।।

I. आरकेवीवाई-स्टॉट अप कार्यक्रम के तहत 5 नॉलेज पार्टनर्स (केपी) और 24 आर-एबीआई की सूची

नॉलेज पार्टनर्स (केपी):

1)राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंधन संस्थान (मैनेज), हैदराबाद।

2)राष्ट्रीय कृषि विपणन संस्थान (एनआईएएम) जयपुर।

3) भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईएआरआई) पूसा, नई दिल्ली।

4) कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, धारवाड़, कर्नाटक।

5) असम कृषि विश्वविद्यालय, जोरहाट, असम।

II. आरकेवीवाई कृषि व्यवसाय इन्क्यूबेटर्स (आर-एबीआई)

1)चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, हिसार, हरियाणा

2)सीएसके हिमाचल प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय, पालमपुर, हिमाचल प्रदेश

3)आईआईटी-बीएचयू, वाराणसी, **उत्तर प्रदेश**

4)जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्व विद्यालय, जबलपुर, मध्य प्रदेश

5) आईसीएआर-भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर, बरेली, **उत्तर प्रदेश**

6) पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना, पंजाब

7) इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर, छत्तीसगढ़

8) शेर-ए-कश्मीर कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, जम्मू, जम्मू और कश्मीर

9) आईआईएम, काशीपुर, उत्तराखंड

10) केरल कृषि विश्वविद्यालय, त्रिशूर, केरल

11) भाकृअनुप-भारतीय कदन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद, तेलंगाना

12) तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय (टीएनएयू), कोयंबटूर, तमिलनाडु

13) एग्री इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप सेल, एएनजीआरएयू, आंध्र प्रदेश

14) राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, कटक, ओडिशा

15) एस के एन कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर, राजस्थान

16) भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर, पश्चिम बंगाल

17) बिहार कृषि विश्वविद्यालय, भागलपुर, बिहार

18) आनंद कृषि विश्वविद्यालय, आनंद, गुजरात

19) भाकृअनुप-केन्द्रीय कपास प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान, मुंबई, महाराष्ट्र

20) डॉ पंजाबराव देशमुख कृषि विद्यापीठ, अकोला, महाराष्ट्र

21) राष्ट्रीय पशु चिकित्सा महामारी विज्ञान एवं रोग सूचना विज्ञान संस्थान (निवेदी), बेंगलुरु, कर्नाटक

22) मत्स्य पालन महाविद्यालय, लेम्बुचेरा, त्रिपुरा

23) पशु चिकित्सा विज्ञान और पशुपालन विभाग कॉलेज, मिजोरम

24) बागवानी एवं वानिकी कॉलेज, पासीघाट, अरुणाचल प्रदेश

******